राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 13 जुलाई • 2021
5

सीएसए : विश्वविद्यालय से 17 कृषि वैज्ञानिकों का

कृषि विज्ञान केन्द्रों में तबादला

अब किसानों की आय बढ़ाने में मददगार होंगे कृषि वैज्ञानिक

डॉ. डीआर सिंह।

शासन की आपत्ति व हस्तक्षेप पर विवि से हटाये गये कर्मी

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में कृषि विज्ञान केन्द्रों से आकर वर्षों से जमे कृषि वैज्ञानिकों सहित अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति-तैनाती से आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए कुलपति ने सोमवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 17 कृषि वैज्ञानिकों सहित 30 कर्मचारियों का तबादला कृषि विज्ञान केन्द्रों में कर दिया। विवि से हटाकर कृषि विज्ञान केन्द्रों में वापस भेजे गये कर्मचारियों में 17 कृषि वैज्ञानिकों के अलावा 2 स्टेनो, 4 ट्रैक्टर चालक व 7 जीप चालक भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि विवि में कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना वर्ष 1987 में हुई थी। तभी कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों का चयन किया गया था। तत्पश्चात 1991-92 में कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़ने से पुनः वैज्ञानिकों का चयन किया गया। इसके बाद 2001 एवं 2004 में कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 17 हो गई। इसके तहत पुनः कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों का चयन हुआ। कालांतर में तत्कालीन कुलपतियों द्वारा अनुकंपा के आधार तमाम वैज्ञानिकों व अन्य कर्मियों का स्थानांतरण विवि मुख्यालय में कर दिया गया। बताया जाता है कि यह घालमेल अपने-अपने लोगों को खुश करने व अतिरिक्त आर्थिक लाभ देने के लिए किया गया। बहरहाल वर्तमान कुलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्रों से लाकर विवि में तैनान किये गये कृषि वैज्ञानिकों सहित अन्य कर्मियों की तैनाती पर आपत्ति होने पर शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में अभी तक 17 कृषि वैज्ञानिकों को वापस कृषि विज्ञान केन्द्रों में भेज दिया है। मार्च 2020 में पांच कृषि वैज्ञानिकों, मार्च 2021 में चार कृषि वैज्ञानिकों एवं जुलाई 2021 में 8 कृषि वैज्ञानिक अर्थात कुल 17 कृषि वैज्ञानिकों को विवि से हटाया गया है। विवि प्रशासन का दावा है कि इस कदम से कृषि विज्ञान केन्द्रों के लगभग समस्त पदों को संतृप्त कर दिया गया है। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने राजभवन व राज्य सरकार को कृत कार्रवाई से अवगत भी कराया है। साथ ही निवेदन किया है कि सभी की जिम्मेदारियां निश्चित की जाए। कुलपति का कहना है कि स्थानांतरित वैज्ञानिक किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीकों से किसानों को अवगत करा उनकी आय बढ़ाने में मददगार होंगे।

पूर्व कुलपतियों ने निहित स्वार्थवश किया था घालमेल!

कृषि वैज्ञानिकों व अन्य कर्मियों को कृषि विज्ञान केन्द्रों से स्थानांतरित कर विवि में काम लिये जाने से वेतन व अन्य मसलों को लेकर इधर दिक्कतें आने लगीं। इसी फेर में समय से वेतन बंटना तक विवि में मुश्किल हुआ। दरअसल कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालन प्लान योजना में भारत सरकार से मिलने वाले धन से किया जाता है व संबंधित बजट से ही उन्हें वेतन दिया जाता है। इसके उलट विवि में तैनात कृषि वैज्ञानिकों व अन्य कर्मियों को नान प्लान में राज्य सरकार से मिलने वाले बजट से वेतन निर्गत किया जाता है। इधर, कृषि विज्ञान केन्द्रों (प्लान) से विवि में आये कर्मियों (नानप्लान) का वेतन इस कारण फंस गया है कि शासन ने प्लान कर्मचारियों को नान प्लान से वेतन देने पर उंगली उठाई व इसे गलत बताया। इस फेर में विवि से रिटायर कई कृषि वैज्ञानिकों के पेंशन का मसला भी फंसा है। अब वर्तमान कुलपति ने उक्त गलती सुधारते हुए प्लान से नॉनप्लान में आये सभी कर्मचारियों को वापस प्लान योजना के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों में भेज दिया गया है।

www.facebook.com/worldkhabaarexpress www.twitter.com/worldkhabaarexpress www.youtube.com/worldkhabaarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
ख़बर एक्सप्रेस

12 जुलाई 2021, सोमवार www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER www.worldkhabarex

सीएसए में लगाई गई दूसरी खुराक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव चिकित्सा केंद्र में जिले के चिकित्सा विभाग के कर्मियों ने सोमवार को वृहद स्तर पर द्वितीय डोज का कोविड-19 टीकाकरण कैंप लगाया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ जिनकी आयु 45 वर्ष से अधिक है और टीके की प्रथम डोज लग चुकी है, वे स्वास्थ्य केंद्र पर आकर कोरोना से बचाव का द्वितीय टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि टीका पूर्णतया सुरक्षित है। इस टीकाकरण उत्सव के दौरान सुबह से ही लोगों की कतार लग गई। इस अवसर पर 45 वर्ष से अधिक आयु की महिला-पुरुषों को द्वितीय टीका लगाया गया है जिससे लोगों में आत्मविश्वास दिखाई दिया। टीकाकरण के लिए आधार कार्ड देखकर तत्काल रजिस्ट्रेशन किया गया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान, डॉ. अनिल कुमार सिंह सहित संकाय सदस्य और कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

3 अस्पताल में भर्ती कर्णवाल से मिलने पहुंचे सीएम धामी

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

वर्षः12 | अंकः193 | देहरादून, सोमवार, 12 जुलाई, 2021 | पृष्ठः08 | मूल्यः2/रु. प्रति

कृषि विश्वविद्यालय कर्मचारियों को लगी वैक्सीन की दूसरी डोज

श्याम गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी. आर. सिंह के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के मानव चिकित्सा केंद्र पर जिले के चिकित्सा विभाग के कार्मिकों द्वारा वृहद स्तर पर द्वितीय डोज का कोविड–19 टीकाकरण किया गया विश्वविद्यालय के मानव चिकित्सालय में सोमवार को कोविड–19 टीका उत्सव का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चिकित्साधिकारी डॉ० एस के सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ जिनकी आयु 45 वर्ष से अधिक है एवं टीके की प्रथम डोज लग चुकी है वे स्वास्थ्य केंद्र पर आकर कोविड–19 से बचाव का द्वितीय टीका अवश्य लगवाएं उन्होंने कहा कि टीका पूर्णतया सुरक्षित है इस टीकाकरण उत्सव के दौरान सुबह से ही लोगों की कतार लग गई इस अवसर पर 45 वर्ष से अधिक आयु की महिला पुरुषों को द्वितीय टीका लगाया गया है जिससे लोगों में आत्मविश्वास दिखाई दिया है टीकाकरण के लिए आधार कार्ड देखकर तत्काल पंजीकरण किया गया विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 के टीकाकरण हेतु चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान की झलक देखने को मिली कि वरिष्ठ नागरिक 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने भी बड़े उत्साह पूर्वक द्वितीय डोज कोविड–19 का टीका लगवाया इस अवसर पर 150 लोगों का टीकाकरण किया गया इस अवसर सुरक्षा अधिकारी डॉ० ए के सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान, डॉ० अनिल कुमार सिंह सहित संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएसए कर्मियों को लगी टीके की दूसरी डोज

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि स्थिति मानव चिकित्सा केन्द्र पर सोमवार को विवि कर्मियों को कोविड टीके की दूसरी खुराक दी गई। शिविर में 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग को दूसरी खुराक दी गयी। विवि चिकित्साधिकारी डॉ. एसके सिंह के अनुसार 150 लोगों का टीकाकरण किया गया। यहां सुरक्षा अधिकारी डॉ. एके सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. अनिल कुमार सिंह रहे।